बूंदी के खेल संकुल में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं का शिलान्यास समारोह

माननीय अध्यक्ष का संबोधन

मैं काफी लंबे समय से बूंदी के मेरे नौजवान खिलाड़ियों के चेहरे पर चमक देख रहा हूं, मुस्कान देख रहा हूं और उत्साह देख रहा हूं। दूर-दराज के गांव में रहने वाले वे नौजवान खिलाड़ी, जो देश के अंदर अलग-अलग खेलों में अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करते हैं। चाहे एशियन गेम्स हों या ओलम्पिक गेम्स हों, विश्व स्तरीय कोई भी गेम हो, उन गेम्स के अंदर जब बूंदी और बूंदी में रहने वाले गांव का खिलाड़ी जिस दिन गोल्ड मेडल लेकर आएगा तथा बूंदी का नाम पूरे विश्व के अदंर करेगा, मैं वह सपना देख रहा हूं। उन सपनों को पूरा करने के लिए, उन उम्मीदों और उन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए इस युवा मन के अदंर आत्मविश्वास है, जुनून है।

अभी इस संकुल इसका पहला चरण है और जब द्वितीय चरण होगा तो कोटा का खिलाड़ी दौड़ते-दौड़ते बूंदी के स्टेडियम की ओर देखेगा। इसलिए यह खेल स्टेडियम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो। हमारा नौजवान जो एथलीट है, उस एथलीट को दौड़ने के लिए ट्रैक की आवश्यकता होती है। सेना में भर्ती होना हो, पुलिस में भर्ती होना हो, अद्धसैनिक बल में भर्ती होना हो, इस सब में कम्पटीशन के लिए एथलेटिक्स ट्रैक के बिना, वह राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के अंदर अन्य लोगों का मुकाबला नहीं कर सकता है। यहां पर एथलैटिक्स ट्रैक बनेगा, जो खिलाड़ी के स्टैमिना को बढ़ाने के लिए सबसे जरूरी है। उस ट्रैक के बाद यहां पर स्वीमिंग पूल होगा, जिसका 70 साल से बूंदी के लोग इंतजार कर रहे हैं। यहां पर पहली बार स्वीमिंग पूल बनेगा, ताकि तैराकी के अंदर हमारा नौजवान राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सके और उसके साथ एक इनडोर स्टेडियम बनेगा। हमारे जो बुजुर्ग लोग हैं, जिनकी उम्र हो गई है, वे स्वस्थ्य रहें, इसके लिए डेढ़ किलोमीटर का एक ट्रैक भी बनेगा। इसकी प्राकृतिक सुंदरता बनी रहे, इसलिए पिछली बार हमने यहां

पर वृक्षारोपण किया था, जिससे आने वाले समय के अंदर यह हरा-भरा इलाका हो, प्राकृतिक सुंदरता का एक क्षेत्र हो।

हमारे जितने भी खिलाड़ी दूर-दराज गांव के होते हैं, उन दूर-दराज के खिलाड़ियों के लिए छात्रावास बने और वे यहां रहकर कम्पटीशन की तैयारी कर सकें। यह अगले द्वितीय चरण में होगा। मैं अगले द्वितीय चरण में जिला कलेक्टर महोदय से कहूंगा कि देश के जितने बड़े स्टेडियम्स हैं, उन बड़े स्टेडियम्स के अनुरूप हमें किन-किन चीजों की आवश्यकता है, उसका पूरा ब्लू प्रिंट बनाएं। यहां पर अच्छी लाइब्रेरी हो। बुजुर्ग लोग घूमने के बाद लाइट एक्सरसाइज करें। एक ऐसा स्थान हो, जहां पर बूंदी शहर और दूर-दराज गांव के नौजवान खेल सकें। मुझे बताया गया कि यहां के बच्चे सॉफ्टबॉल के राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं। हम उनके लिए भी ट्रैक बनाएंगे तथा उसके लिए भी अच्छा मैदान बने।

मैं जिला कलेक्टर महोदय से कहूंगा कि अगली बार जब इसका नक्शा बने तो 100 करोड़ रुपए लगाकर स्टेडियम बनना चाहिए ताकि हम इसे अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुसार बेहतर बना सकें। आप ब्लू प्रिंट बनाइए, पैसों की कोई कमी नहीं है। आप कार्य योजना बनाइए। मेरा सपना है कि यह जितनी बड़ी स्टेडियम की जमीन है, उतनी जमीन बहुत कम शहरों में है। इसलिए राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम और बहुआयामी स्टेडियम बनाएं, जहां पर सभी ऐक्टिविटीज हों। इसमें अच्छा ऑडिटोरियम हो, ओपन ऑडिटोरियम हो एवं सारी गतिविधियों का एक केन्द्र हो, ऐसा खेल संकुल बनाने का मेरा प्लान है।

साथियों, बूंदी शौर्य, वीरता, त्याग और बलिदान की धरती है। इस त्याग, बलिदान और वीरता की धरती, यहां की विरासत को आने वाली पीढ़ी जानें। वे यहां के त्याग, बलिदान और शौर्य को जानें। इसके लिए मैंने आज सुबह जिला कलेक्टर को कहा है कि लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से बूंदी की विरासत और शौर्य को आने वाली पीढ़ी देखें और समझें, ताकि उनमें भी अपनी धरती के लिए इतना

ही समर्पण पैदा हो। इसलिए मैंने लाइट एंड साउंड शो का प्लान बनाने के लिए दो दिन पहले दिल्ली में पर्यटन मंत्री जी को बोल दिया है। एक सप्ताह के अंदर टीम आएगी और स्थान चयनित करके इसे बनाएंगे, ताकि आने वाली पीढ़ी वीरता और शूरता की धरती को देखे।

रामगढ़ विषधारी में अगले तीन महीने में सफारी शुरू होगी। मेरा प्रयास चल रहा है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में जहां भी बाघ, शेर एवं अन्य जंगली जानवर हैं, उनको यहां पर शिफ्ट किया जाए, ताकि रामगढ़ विषधारी के माध्यम से आने वाले देसी-विदेशी पर्यटकों के लिए पर्यटन स्थल बन सके। यहां के किले, बावड़ियां और महल को देखने के लिए विदेशी पर्यटक आते हैं। मैंने एक दिन कहा था कि बूंदी को रात में कोटा-बूंदी के हाड़ौती लोग देखने आएं। फसाड लाइट के लिए पांच करोड़ रुपए की स्वीकृति हो चुकी है। उसका काम बहुत जल्दी शुरू हो जाएगा। हम बूंदी को ऐसा बनाएंगे कि लोग बूंदी के चौराहे और सड़कों को भी देखेंगे। बूंदी,पर्यटन, शौर्य, वीरता के साथ-साथ भक्ति, हमारे आराध्य और आस्था की धरती है। यह केशवरायपाटन जी की धरती है। आस्था का केन्द्र केशवराय भगवान जी का मंदिर हो या चंबल नदी हो, जैसे लोग गंगा नदी में स्नान करने जाते हैं, वैसे लोग चंबल नदी में भी स्नान करने जाएं। चंबल हमारे लिए जीवनदायिनी है। चंबल नदी के किनारे और केशवराय भगवान जी के मंदिर के आस-पास, जैन तीर्थ स्थान के आस-पास, अन्य तीर्थ स्थान के आस-पास विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना के तहत 70 करोड़ रुपए की स्वीकृति हो चुकी है।

हमारा प्रयास है कि बूंदी में इंडस्ट्री, पर्यटन, एग्रीकल्चर एवं अन्य सभी सेक्टर्स का विकास होना चाहिए। आने वाले समय में यहां पर एग्रो बेस्ड कई इंडस्ट्रीज लगेंगी। यहां चावल उद्योग बड़ी मात्रा में लगे हैं। लोग चावल के तेल की इंडस्ट्री भी लगा रहे हैं। आने वाले समय में प्रोसेसिंग प्लांट्स लगें, ताकि हमारे किसानों की फसलों का वैल्यू एडिशन होने पर, उनकी आमदनी भी बढ़े।

जब मैं मारवाड़ साइड में जाता हूं, तो देखता हूं कि वहां हर घर में गाय है। पिछली बार पशुपालन क्रेडिट कार्ड वितरण का कैंप लगाया गया था। लोगों को कम दर पर ऋण मिला है। वित्त मंत्री

जी 30 तारीख को कोटा में आएंगी। एक विशाल लोन मेला लगेगा। मेरा आप सभी से आग्रह है कि कोट-बूंदी में स्वेत क्रांति लानी है। लोग गुजरात का उदाहरण देते हैं। आने वाले समय में लोग हाड़ौती का उदाहरण दें। हर किसान अपने घर में पशुपालक बने। पहले पशु खरीदें और उसके लिए जो वर्किंग कैपीटल है, उसके लिए एक लाख, 60 हजार रुपए आपको मिलेंगे। हम आर्थिक रूप से भी सभी को आत्मनिर्भर बना सकेंगे। मैंने कहा था कि गांव तक पहियों पर अस्पताल चलेगा। अभी दो गाड़ियां चल रही हैं। 1 जनवरी, 2023 से चार और गाड़ियां चलेंगी। वह हर गांव में जा कर लोगों की 22 तरह की जांच करती है। 22 तरह की जांच करने के बाद जिन रोगियों को गंभीर बीमारी है, उनका इलाज, कोटा, जयपुर या दिल्ली में करा कर स्वस्थ किया जा सके। हम सभी मिल कर इस बूंदी के बहुआयामी विकास, हर सेक्टर के विकास की कार्य योजना बनाएं। बूंदी के लोग हमेशा बूंदी के विकास की चर्चा करते रहते हैं। बूंदी में बड़ी मात्रा में माल-गोडाउंस बन जाए, तो यहां के रेल गोडाउंस से काफी माल भेजा जा सकता है। आपके अच्छे सुझाव और जनहित के लिए विचार आते हैं। उन सभी सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं कि जो विचार आते हैं, तो मेरी कोशिश रहती है कि उनके विचारों के अनुसार मैं कार्य की योजना बनाऊं। आज आप सभी के लिए एक बड़ा दिन है। मुझे यहां के इंजीनियर ने कहा है कि हम इस योजना को 15 महीने में पूरा कर देंगे। इसके साथ-साथ द्वितीय चरण की भी योजना बने।

ताकि जैसे ही प्रथम चरण पूरा हो जाए, तो द्वितीय चरण का क्या प्लान हो सकता है, क्योंकि हमारे नौजवान खिलाड़ी, जो अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम का सपना देख रहे हैं, वे उस सपने को पूरा कर सकें।

आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।